उत्तर–का-के, इतना-इतने, था-थे, बच्चा-बच्चे, गरमी की-गरमियों की, छुट्टी ... छुट्टियों में, की-कहानियों की, किताब-किताबें, पुस्तक की-पुस्तकों की, कहानी-कहानियाँ हफ़्ता-हफ़्ते, बच्चा-बच्चे, यंत्र-यंत्रों, छुट्टी-छुट्टियाँ, बिताता है-बिताते हैं, छुट्टी-छुट्टियाँ, कहानी-कहानियाँ।

पाठ

यह हाथी नदी में नहा रहा है।
यह पेड़ कितना छायादार है।
इसकी टहनी बहुत घनी है।
इस पर तोता बैठा है।



ये हाथी नदी में नहा रहे हैं।
ये पेड़ कितने छायादार हैं।
इनकी टहनियाँ बहुत घनी हैं।
इन पर तोते बैठे हैं।

ऊपर दिए गए वाक्यों में यह हाथी, यह पेड़, इसकी टहनी, इस पर आदि शब्दों से उनके एक ... का पता चल रहा है, जबकि ये हाथी, ये पेड़, इनकी टहनियाँ, इन पर आदि शब्दों से उनके अनेक ... का पता चल रहा है। साथ ही इनके साथ वाक्य में संख्या के अनुसार आए अन्य बदलाव भी दिखाई रहे हैं।

व्याकरण में वचन का अर्थ संख्या होता है। अतः कहा जा सकता है कि

शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का पता चलता है, उसे 'वचन' कहते हैं।

वचन के भेद

वचन के दो भेद होते हैं– (क) एकवचन (ख) बहुवचन

शब्द के जिस रूप से उसके एक होने का पता चलता है, उसे 'एकवचन' कहते हैं, जबकि शब्द के जिस रूप से उसके अनेक होने का पता चलता है, उसे 'बहुवचन' कहते हैं; जैसे– घोड़ा, ताला, रात, गाड़ी, नदी आदि (एकवचन) तथा घोड़े, ताले, रातें, गाड़ियाँ, नदियाँ आदि (बहुवचन)।

नित्य एकवचन तथा नित्य बहुवचन शब्द



नित्य एकवचन शब्द– कुछ शब्द सदैव एकवचन में प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें 'नित्य एकवचन' शब्द कहते हैं। पानी, शहद, दही, दूध, घी, भीड़, जनता, सभा, बारिश, क्रोध, लालच, प्यार आदि 'नित्य एकवचन' शब्द हैं; जैसे– बाहर बारिश हो रही है। शहद गिर गया। लालच अच्छा नहीं होता। आपको ज़रा-ज़रा सी बात पर क्रोध क्यों आ जाता है?

विशेष– अधिकतर नित्य एकवचन शब्द द्रव्यवाचक या भाववाचक संज्ञा होते हैं।

नित्य बहुवचन शब्द– कुछ शब्द सदैव बहुवचन में प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें 'नित्य बहुवचन' शब्द

वचन बदलने के कुछ सामान्य नियम

पुल्लिग शब्दों के लिए

अ, इ, ई, उ तथा ऊ से अंत होने वाले पुल्लिग शब्दों में बदलाव न करने का नियम

अकारांत (फल), इकारांत (कपि), ईकारांत (काजी), उकारांत (साधु), ऊकारांत (आलू) पुल्लिग शब्दों का बहुवचन रूप एकवचन के समान ही रहता है; जैसे– फल, पेड़, कवि, बराती, भालू आदि।

जैसे– पेड़ से फल गिरा। पेड़ से फल गिरे।

यह कवि हँसाते-हँसाते लोटपोट कर देता है। ये कवि हँसाते-हँसाते लोटपोट कर देते

इन शब्दों की क्रिया को देखकर इनके एकवचन या बहुवचन रूप का पता चलता है।

आ की जगह ए (े) लगाकर

आकारांत पुल्लिग शब्दों के अंत में ए (े) जोड़ दिया जाता है; –

बस्ता – बस्ते	नाला – नाले	ताला – ताले	छत्ता – छत्ते
छाता – छाते	पंखा – पंखे	जूता – जूते	लोटा – लोटे
परदा – परदे	पौधा – पौधे	गोला – गोले	खिलौना – खिलौने
गन्ना – गन्ने	थैला – थैले	चना – चने	दरवाज़ा – दरवाज़े

अन्य आकारांत पुल्लिग शब्दों के बहुवचन रूप

सस्ता – सस्ते	महँगा – महँगे	थोड़ा – थोड़े	काला – काले
अच्छा – अच्छे	आया – आए	पहुँचा – पहुँचे	पहुँचा – पहुँचे
अपना – अपने	था – थे	गया – गए	मेरा – मेरे

स्त्रीलिंग शब्दों के लिए

'अ' की जगह एँ (ें) लगाकर

रात – रातें	सड़क – सड़कें	आदत – आदतें	पुस्तक – पुस्तकें
चम्मच – चम्मचें	लहर – लहरें	चादर – चादरें	हड़ताल – हड़तालें
पत्तल – पत्तलें	कमीज़ – कमीज़ें	मूँछ – मूँछें	शिकायत – शिकायतें

'आ' के आगे 'एँ' लगाकर

सरिता – सरिताएँ	माता – माताएँ	पत्रिका – पत्रिकाएँ	हवा – हवाएँ
कविता – कविताएँ	महिला – महिलाएँ	दुआ – दुआएँ	चिंता – चिंताएँ

'इ' के आगे 'याँ' जोड़कर

पंक्ति – पंक्तियाँ	विधि – विधियाँ	निधि – निधियाँ	तिथि – तिथियाँ
लिपि – लिपियाँ	सूक्ति – सूक्तियाँ	कृति – कृतियाँ	ध्वनि – ध्वनियाँ

'ई' को पहले 'इ' करने के बाद 'याँ' जोड़कर

चाबी – चाबियाँ	ताली – तालियाँ	पत्ती – पत्तियाँ	परी – परियाँ
बेटी – बेटियाँ	राखी – राखियाँ	लाठी – लाठियाँ	लड़ाई – लड़ाइयाँ
गाली – गालियाँ	सब्ज़ी – सब्ज़ियाँ	मक्खी – मक्खियाँ	बच्ची – बच्चियाँ
कली – कलियाँ	दवाई – दवाइयाँ	मिठाई – मिठाइयाँ	कठिनाई – कठिनाइयाँ

अन्य नियम

'उ' के आगे 'एँ' लगाकर

ऋतु – ऋतुएँ	वस्तु – वस्तुएँ	धातु – धातुएँ

'ऊ' को 'उ' करने के बाद उसके आगे 'एँ' लगाकर

बहू – बहुएँ	जूँ – जुएँ	लू – लुएँ

'औ' के आगे 'एँ' लगाकर

गौ – गौएँ

'या' को 'याँ' में बदलकर

गुड़िया – गुड़ियाँ	बुढ़िया – बुढ़ियाँ	पुड़िया – पुड़ियाँ	चिड़िया – चिड़ियाँ

विशेष– 1. कुछ बच्चे 'या' वाले शब्दों का बहुवचन चिड़ियाएँ/चिड़ियाओं, बुढ़ियाएँ/बुढ़ियाओं आदि लिखते हैं। बच्चो, आपको इस अशुद्धि का विशेष ध्यान रखना है।

2. स्त्रीलिंग शब्दों का बहुवचन बनाते समय याँ, एँ (ँ) का प्रयोग किया जाता है; जैसे– दवाइयाँ, नदियाँ, कविताएँ, वस्तुएँ, सड़कें, रातें आदि।

सर्वनाम शब्दों के बहुवचन रूप

यह – ये	वह – वे	मैं – हम
तुम – तुम सब	आप – आप सब	उसे – उन्हें

विशेषण शब्दों के बहुवचन रूप

सच्चा – सच्चे	थोड़ा – थोड़े	छोटा – छोटे	झूठा – झूठे